आकाशवाणी

क्षेत्रीय समाचार एकांश

देहरादून (उत्तराखण्ड)

रविवार 05.04.2026

समय 1305

मुख्य समाचार :–

- प्रधानमंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता नरेंद्र मोदी ने कहा– लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में 2029 से महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण लागू करने के लिए संसद का बजट सत्र फिर से शुरू होगा।
- केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने अनेक राज्यों में हुई अतिवृष्टि, ओला पाला का संज्ञान लिया।
- पिथौरागढ़ के जिलाधिकारी आशीष भटगांई ने मुख्यमंत्री घोषणाओं की विभागवार समीक्षा बैठक की।
- और विवेकानन्द पर्वतीय कृषि अनुसंधान संस्थान अल्मोड़ा द्वारा 52वा कृषि विज्ञान मेले का आयोजन किया गया।

प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता नरेंद्र मोदी ने कहा है कि लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने वाले 2023 में पारित कानून को 2029 से लागू करवाने के लिए संसद का बजट सत्र तीन दिन बढ़ा दिया गया है। केरलम के तिरुवल्ला में एक चुनावी रैली में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि बजट सत्र 16, 17 और 18 अप्रैल को फिर आयोजित होगा। प्रधानमंत्री ने कुछ राज्यों में जनसंख्या घटने पर सीटें कम होने की अफवाह पर भी बात कही। उन्होंने कहा कि सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि केरल, तमिलनाडु, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, गोवा और तेलंगाना में लोकसभा सीट की संख्या में कोई कमी न हो। उन्होंने कहा कि जिन राज्यों ने जनसंख्या नियंत्रण में अच्छा प्रदर्शन किया है, उनके बारे में झूठी जानकारी फैलाई जा रही है कि जनसंख्या घटने पर वहां सीटें भी कम हो जाएंगी। प्रधानमंत्री ने सभी दलों से महिला सशक्तिकरण से जुड़े इस मुद्दे का पूर्ण समर्थन करने का भी आग्रह किया। साथ ही यह भी कहा कि महिला प्रतिनिधियों की संख्या बढ़ाने की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए, नारी शक्ति वंदन कानून में संशोधन भी किए जाएंगे।

केंद्रीय कृषि मंत्री

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने अनेक राज्यों में हुई अतिवृष्टि, ओला पाला का संज्ञान लिया। श्री चौहान ने

कृषि मंत्रालय के अधिकारियों को निर्देशित किया कि ओला पाला, अतिवृष्टि से हुई फसल क्षति की समीक्षा करें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि संबंधित राज्यों के अधिकारियों से संपर्क कर जानकारी एकत्रित करें। श्री चौहान ने किसान भाइयों बहनों को आश्वस्त किया कि किसान भाई बहन चिंता न करे, संकट की इस घड़ी में मोदी सरकार किसानों के साथ है। श्री चौहान ने आज संबंधित राज्यों के कृषि मंत्रियों से ओला पाला और अतिवृष्टि से हुई फसल क्षति के संबंध में चर्चा करेंगे ।

कपाट

आगामी 14 अप्रैल को वैसाखी पर्व पर द्वितीय केदार भगवान मद्महेश्वर व तृतीय केदार भगवान तुंगनाथ के कपाट खुलने की तिथि तय की जाएगी। इसके साथ ही चल विग्रह उत्सव डोलियो के शीतकालीन गद्दी स्थलों से धाम रवाना होने की तिथि शीतकालीन गद्दी स्थलों में पंचांग गणना के अनुसार घोषित की जायेगी।

मन्दिर समिति ने तिथि घोषित होने की तैयारियां शुरू कर दी है। मन्दिर समिति से मिली जानकारी के अनुसार द्वितीय केदार भगवान मद्महेश्वर के कपाट खुलने की तिथि शीतकालीन गद्दी स्थल ओंकारेश्वर मन्दिर ऊखीमठ व तृतीय केदार तुंगनाथ धाम के कपाट खुलने की तिथि शीतकालीन गद्दी स्थल मक्कूमठ में घोषित की जायेगी।

गंगोत्री नेशनल पार्क

चीन सीमा से लगे देश के तीसरे सबसे बड़े गंगोत्री नेशनल पार्क की नेलांग घाटी अब केवल आठ माह नहीं, बल्कि पूरे बारह महीने पर्यटकों के लिए खुली रहेगी। उत्तरकाशी में स्थित गंगोत्री नेशनल पार्क में शीतकालीन पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए शासन के निर्देश पर वन विभाग ने मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) तैयार की है, जिसके तहत सर्दियों में भी पर्यटन गतिविधियां सुरक्षित और नियंत्रित तरीके से संचालित की जाएंगी। एक रिपोर्ट

अब तक हर वर्ष 30 नवंबर को पार्क के गेट बंद कर दिए जाते थे, जिसके बाद गंगोत्री–गोमुख ट्रैक, केदारताल, गरतांग गली और नेलांग घाटी जैसे क्षेत्रों में पर्यटकों का प्रवेश प्रतिबंधित हो जाता था। लेकिन नई व्यवस्था के तहत ये क्षेत्र शीतकाल में भी पर्यटकों के लिए खुला रहेगा। इससे पार्क के राजस्व में वृद्धि के साथ स्थानीय पर्यटन को भी बढ़ावा मिलने की उम्मीद है, हालांकि वन्यजीवों और उनके आवास की सुरक्षा एक चुनौती बनी रहेगी। एसओपी के अनुसार शीतकाल में प्रतिदिन अधिकतम 100 पर्यटकों और 20 वाहनों को ही प्रवेश दिया जाएगा। पर्यटकों को सुबह 8 से 11 बजे के बीच प्रवेश मिलेगा और शाम 5 बजे तक पार्क क्षेत्र से बाहर निकलना अनिवार्य होगा।

गंगोत्री नेशनल पार्क के उप निदेशक हरीश नेगी ने बताया कि शीतकालीन पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए नेलांग घाटी को सर्दियों में भी खोलने का निर्णय लिया गया है।

पिथौरागढ

पिथौरागढ़ के जिलाधिकारी आशीष भटगांई ने मुख्यमंत्री घोषणाओं की विभागवार समीक्षा बैठक के दौरान सभी विभागों को स्पष्ट संदेश दिया कि ढिलाई, लापरवाही और अपारदर्शिता पर अब जीरो टॉलरेंस लागू रहेगा। जिलाधिकारी ने कई विभागों में पारदर्शिता की कमी, कार्यों की धीमी रफ्तार और फील्ड लेवल पर कमजोर मॉनिटरिंग देखने पर अधिकारियों को सख्त फटकार लगाते हुए तत्काल सुधार करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि जनता को असुविधा देने वाले किसी भी विभाग को बख्शा नहीं जाएगा और सड़कें ठीक होना उनकी प्राथमिकता है, इसमें लापरवाही करने वालों पर सीधे कार्रवाई होगी। इसके अतिरिक्त साइनेज बोर्ड लागने के भी निर्देश दिए। उन्होंने सभी विभागों को अल्टीमेटम देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री घोषणाओं से संबंधित सभी कार्य निर्धारित टाइमलाइन के भीतर ही पूरे हों। जहाँ बजट या तकनीकी बाधाएँ हों, उनकी विस्तृत रिपोर्ट तत्काल प्रस्तुत की जाए। सभी अधिकारी फील्ड विज़िट करें और गुणवत्ता में कोई समझौता न करें।

विवेकानन्द पर्वतीय कृषि अनुसंधान संस्थान

विवेकानन्द पर्वतीय कृषि अनुसंधान संस्थान अल्मोड़ा द्वारा 52वा कृषि विज्ञान मेले का आयोजन किया गया। मेले का विषय खेती में नवीनता पोषण में श्रेष्ठता रखा गया। मेले में राज्य के सभी जिलों के 15 सौ से अधिक किसानों ने प्रतिभाग किया। जिसमें किसानों और उत्पादक संगठनों ने विकास प्रदर्शनी भी लगाई। इस अवसर पर विवेकानंद पर्वतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के वैज्ञानिकों द्वारा विकसित आधुनिक

कृषि तकनीकी उपकरणों की प्रदर्शनी लगाई और किसानों को तकनीकी कृषि यंत्रों के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर कृषक गोष्ठी भी आयोजित की गई, विवेकानंद पर्वतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के निदेशक डॉ लक्ष्मी कांत ने कहा कि संस्थान द्वारा इस वर्ष मक्के की तीन और मडुवा की एक उन्नत प्रजातिया विकसित की हैं।

बागेश्वर जनपद से आए किसान चंद्र शेखर पाण्डे ने कहा कि वह 40 किसानों के साथ मिलकर पोषक अनाजों, औरजड़ी बूटी उत्पादन कर रहे हैं।

पौड़ी

पौड़ी गढ़वाल में महिला एवं बाल विकास कल्याण विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों के माध्यम से जरूरतमंद महिलाओं एवं बच्चों को सुरक्षा, संबल एवं मुख्यधारा से जोड़ने के प्रभावी प्रयास किए जा रहे हैं। कोटद्वार स्थित महिला कल्याण पुनर्वास केंद्र में वर्ष के दौरान 28 संवासिनियों को आश्रय प्रदान किया गया, जिनमें पॉक्सो से प्रभावित बालिकाएं भी शामिल थीं। इन सभी को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने के साथ–साथ काउंसलिंग एवं शिक्षा के माध्यम से उनके आत्मविश्वास को सुदृढ़ किया गया। इनमें से 22 संवासिनियों का सफलतापूर्वक उनके परिवारों के साथ पुनर्वास किया गया।

जिला परिवीक्षा अधिकारी अरविंद कुमार ने बताया कि प्रत्येक प्रकरण में काउंसलिंग, पुनर्वास और पारिवारिक पुनर्स्थापन पर विशेष फोकस किया जा रहा है।

ईस्टर

दुनियाभर में आज ईस्टर मनाया जा रहा है। यह अवसर प्रार्थना, पश्चाताप और यीशु मसीह के जीवन के अंतिम चरण को याद करने के पवित्र सप्ताह का प्रतीक है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने ईस्टर के अवसर पर देशवासियों को शुभकामनाएं दी हैं। अपने संदेश में, उन्होंने आशा व्यक्त की कि प्रभु यीशु मसीह का पुनरुत्थान लोगों को सत्य, प्रेम, करुणा, त्याग और क्षमा के मूल्यों को अपनाने के लिए प्रेरित करता रहेगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ईस्टर पर देशवासियों को शुभकामना दी हैं। सोशल मीडिया पोस्ट में उन्होंने इस दिन को आशा और नवजीवन का उत्सव बताया और विश्वास व्यक्त किया कि यह त्योहार सभी के जीवन को प्रकाशित कर जीवन में शांति और आनंद लाएगा। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि प्रभु यीशु की शिक्षाएं करूणा और समाज में एकता की भावना को मजबूत करने के लिए प्रेरित करती हैं।